जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद (हरियाणा), भारत

स्वागत संबोधन

एवं प्रतिवेदन

प्रो. सुशील कुमार तोमर
कुलपति

पंचम दीक्षांत समारोह

बुधवार, 21 अगस्त, 2024, प्रातः 11:50 बजे

समारोह की मुख्य अतिथि – भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी, अध्यक्ष – माननीय कुलाधिपति – राज्यपाल हरियाणा श्री बंडारू दत्तात्रेय जी, समारोह में उपस्थित हरियाणा की माननीय शिक्षा मंत्री जी, हरियाणा के मुख्य सचिव जी, हरियाणा के पुलिस महानिदेशक जी, हरियाणा सरकार, पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारीगण, विश्वविद्यालय संसद, कार्यकारी परिषद् एवं शिक्षा परिषद् के सम्मानित सदस्यगण, प्रतिष्ठित अतिथिगण, मेरे सम्मानित सहयोगीगण, संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, कुलसचिव, डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थीगण, पूर्व छात्र संघ के सदस्यगण, प्रेस के सदस्यगण, देवियों और सज्जनों।

स्वागत एवं अभिनन्दन

- आप सभी का आज इस विश्वविद्यालय प्रांगण में पंचम दीक्षांत समारोह के अवसर पर हार्दिक अभिनन्दन।
- आज हम सभी के लिए गौरव का क्षण है कि भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी हमारे बीच हैं। आपकी प्रेरणा एवं आशीर्वाद से ही आज हम इस दीक्षांत समारोह को कर पा रहे हैं। अपने बहुमूल्य समय में से आपने इस दीक्षांत समारोह के लिए समय दिया है, इसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं और विश्वविद्यालय परिवार की ओर से आपका हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करता हूं।
- श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी का संपूर्ण जीवन संघर्ष, सेवा और समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने अपना जीवन वंचित, पिछड़े और कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने के लिए समर्पित किया है।
- आप हमारे लिए आदर्श एवं प्रेरणा की स्रोत हैं। दीक्षांत समारोह में आपकी उपस्थित ने विश्वविद्यालय का सम्मान बढ़ाया है, जिसके लिए यह विश्वविद्यालय सदैव आपका कृतज्ञ रहेगा।
- मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस समारोह में आपका दीक्षांत संबोधन उपाधि प्राप्त कर रहे कौशलवान युवाओं के भविष्य का मार्ग प्रशस्त करेगा।
- समारोह में हरियाणा के राज्यपाल, माननीय कुलाधिपति श्री बंडारू दत्तात्रेय जी, की गरिमामयी उपस्थिति पर हम सम्मानित और गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं, जिन्होंने दीक्षांत समारोह में अध्यक्ष के रूप में उपस्थित होकर समारोह की शोभा बढ़ाई।
- श्री दत्तात्रेय जी अपने गृहक्षेत्र तेलंगाना में Peoples Leader के नाम से खास पहचान रखते है, जिन्होंने हमेशा आम जन मानस की समस्याओं को हल करने और उनकी भलाई के लिए समर्पित होकर कार्य किया है।

- हरियाणा में राज्यपाल के रूप में अब तक के अपने कार्यकाल में आपका सभी विश्वविद्यालयों से सीधा संवाद आपके अनुभव, कार्यशैली और शिक्षा के प्रति आपके समर्पण को दर्शाता है। जे.सी. बोस विश्वविद्यालय की ओर से मैं आपका हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत करता हूं।

संस्थान परिचय

- जैसा कि आपको विदित होगा कि इस संस्थान की बुनियाद हरियाणा के गठन तथा फरीदाबाद शहर के औद्योगिक विकास से जुड़ी है। इस संस्थान की स्थापना 1969 में इंडो–जर्मन परियोजना के रूप में एक इंजीनियरिंग डिप्लोमा संस्थान के रूप में हुई थी, जिसका उद्देश्य जर्मन शिक्षा प्रणाली की तर्ज पर देश में तकनीकी रूप से कुशल एवं आत्मनिर्भर युवाओं को तैयार करना था।
- इस संस्थान के भूतपूर्व छात्रों ने अपनी उद्यमशीलता से फरीदाबाद शहर के औद्योगिक विकास को नये आयाम दिये।
- इस संस्थान को वर्ष 2009 में विश्वविद्यालय के रूप में अपग्रेड किया गया और वर्ष 2018 में इस संस्थान का नाम महान वैज्ञानिक एवं आधुनिक विज्ञान के अग्र–दूत जगदीश चन्द्र बोस के नाम पर रख कर इसकी पहचान को भारतीयता और आत्मीयता प्रदान करने का काम किया।
- विश्वविद्यालय को UGC, AICTE, NAAC, NBA, NIRF, ISO जैसी केन्द्रीय मानक निकाय एवं संस्थानों से मान्यता प्राप्त है।
- विश्वविद्यालय के 15 शैक्षणिक विभागों एवं कम्युनिटी कालेज के माध्यम से इंजीनियरिंग, विज्ञान, प्रबंधन, आट्र्स, व्यवसायिक एवं कौशल विषयों में 60 से अधिक पाठ्यक्रम पढ़ाये जा रहे है।
- विश्वविद्यालय में इस समय 6345 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे है, जिसमें से 2618 छात्राएं है जोकि कुल विद्यार्थियों का 42 प्रतिशत है।
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 को प्राथमिकता देते हुए हम शैक्षणिक सत्र 2023–24 से इसे लागू कर चुके हैं, जिसके अंतर्गत स्नातक स्तर पर तीन एवं चार वर्षीय स्नातक डिग्री प्रोग्राम के साथ चुनिंदा विषयों में माइनर डिग्री पाठ्यक्रमों की शुरूआत की गई है।
- विश्वविद्यालय ने सामाजिक सरोकार की भावना से प्रेरित होकर विभिन्न पाठ्यक्रमों में Single Girl Child और Abandoned/Surrendered/Orphan श्रेणियों में सीटें आरक्षित की गई हैं।
- जे.सी. बोस विश्वविद्यालय केवल उच्चकोटि की तकनीकी एवं वैज्ञानिक शिक्षा ही नहीं, अपितु मानवीय मूल्यों पर आधारित शिक्षा पर भी बल दे रहे हैं।

- विश्वविद्यालय का प्रयास है कि विद्यार्थी स्वामी विवेकानंद, जे.सी. बोस एवं शहीद सेना नायकों को अपना आदर्श बनायें।
- विश्वविद्यालय ने बीटेक में मूल्य वर्धित पाठ्यक्रमों के रूप में श्रीमद् भगवद गीता तथा सार्वभौमिक मानवीय मूल्य को शामिल किया है। स्नातक पाठ्यक्रमों में पर्यावरण विज्ञान को विशेष रूप से शामिल किया गया है।
- विश्वविद्यालय ने 'हरियाली पर्व' के रूप में एक हरित पहल की है। इसके अंतर्गत विश्वविद्यालय में दाखिला लेने वाले छात्रों के लिए पौधारोपण को अनिवार्य बनाया गया है। विश्वविद्यालय में प्रत्येक छात्र को कम से कम पांच पौधे लगाने तथा उनकी देखभाल करनी होगी। विद्यार्थियों को उनके द्वारा रोपित पौधे का प्रमाण जियोटैग तस्वीरों के साथ विश्वविद्यालय पोर्टल पर प्रस्तुत करना होगा।
- अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देकर विश्वविद्यालय ने उन्नत शोध सुविधाएं विकसित की है। रिसर्च फेलोशिप प्रोग्राम शुरू किये है। रिसर्च स्कॉलर्स के लिए टीचिंग एसोसिएटशिप की शुरूआत की है। 'जे.सी. बोस यंग साइंटिस्ट अवार्ड' तथा अकादमिक संगोष्ठियों (COLLOQUIUM) की शुरूआत की है।
- उभरती प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में शोध कार्यों को प्रोत्साहन देने के लिए नकद प्रोत्साहन नीति एवं सीड मनी देने जैसे प्रावधान किये है।
- विश्वविद्यालय द्वारा नियमित शोध कार्यों को प्रोत्साहन देने के लिए पूर्व छात्र संघ के सहयोग से MOB Research Fellowship (MRF) तथा Indian Oil Corporation के सहयोग से IOCL Fellowship शुरू की गई है। विश्वविद्यालय में महान वैज्ञानिक जगदीश चन्द्र बोस के नाम पर चेयर भी स्थापित की गई है।
- विभिन्न एजेंसियों के माध्यम से विश्वविद्यालय को शोध कार्यों के लिए 12 करोड़ रुपये से अधिक का अनुदान स्वीकृत हुआ है। विश्वविद्यालय में कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट्स पर अच्छा काम हो रहा है।
- विगत पांच वर्षों में हमने लगभग 50 औद्योगिक एवं अकादमिक समझौते किये हैं। Daikin, Danfoss, Bosch, Godrej, Royal Enfield जैसी बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने विश्वविद्यालय में सेंटर आफ एक्सीलेंस / कौशल प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित किये हैं।
- विश्वविद्यालय कौशलवान युवाओं को रोजगार दिलाने में भी अग्रणी रहा है। इस समय विश्वविद्यालय में लगभग 500 कंपनियां प्लेसमेंट के लिए भागीदारी कर रहीं है। शैक्षणिक सत्र 2023–24 में 600 से ज्यादा विद्यार्थियों को कैंपस प्लेसमेंट द्वारा रोजगार प्राप्त हुआ है।
- विश्वविद्यालय के इंक्यूबेशन सेंटर में इस समय 10 स्टार्टअप पर काम हो रहा है, जिसमें से पांच स्टार्टअप हमारे विद्यार्थियों के है।

- हमने America, Romania, Iran, Norway और Japan के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों से शैक्षणिक समझौते किये है।
- इस संस्थान की गौरवमयी विरासत के ध्वज वाहक पूर्व छात्र हैं। विश्वविद्यालय के एलुमनाई नेटवर्क से लगभग 11 हजार छात्र सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं।
- इस संस्थान के प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों में भारती एंटरप्राइसेज के वाइस प्रेजिडेंट राकेश भारती मित्तल, वी.जी. इंडस्ट्रीज फरीदाबाद के संस्थापक नवीन सूद, बोनी कंपनीज के प्रबंध निदेशक राज भाटिया, एम.वी. इलेक्ट्रो सिस्टम के संस्थापक मोहित वोहरा और Daikin India के प्रबंध निदेशक कंवलजीत जावा कुछ ऐसे नाम है, जिन्होंने अपनी उद्यमशीलता और कौशल से इस विश्वविद्यालय को गौरवान्वित किया है।
- विश्वविद्यालय में कला, संस्कृति, खेल एवं तकनीकी गतिविधियों को लेकर लगभग 19 छात्र केन्द्रित क्लब एवं इकाईयां सक्रिय है। विद्यार्थी परिषद् के माध्यम से छात्रों को अहम निर्णयों में भागीदार बनाया है।
- विश्वविद्यालय के खिलाड़ी तीरंदाजी, निशानेबाजी, तलवारबाजी, मुक्केबाजी जैसी व्यक्तिगत स्पर्धाओं में शानदार प्रदर्शन कर रहे है।
- विश्वविद्यालय लैंगिक समानता को लेकर संवेदनशील है। महिला शिक्षक एवं अधिकारी अहम पदों पर निर्णयक भूमिका निभा रही है। इस समय विश्वविद्यालय के 16 शैक्षणिक विभागों / केन्द्रों में 11 विभागों का नेतृत्व शिक्षिकाएं कर रही है।
- इसी तरह विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय मामलों, डिजिटल मामलों, शोध एवं विकास, मानव संसाधन जैसे अहम दायित्व महिला अधिकारियों को दिये गये हैं।

दीक्षांत समारोह

- विश्वविद्यालय के पंचम दीक्षांत समारोह में 1536 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की जा रही है, जिसमें 874 छात्र तथा 662 छात्राएं है। इस समारोह में 13 शोधार्थियों को भी उपाधियां प्रदान की जा रही है, जिसमें आठ महिला शोधार्थी शामिल हैं।
- समारोह में उपाधि ग्रहण करने वाले चार दिव्यांग छात्र–छात्राएं भी शामिल हैं, जिन्होंने शारीरिक अक्षमताओं के बावजूद इंजीनियरिंग स्नातक के रूप में यह मुकाम हासिल किया है।
- इस समारोह में विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये गांव राजपुर कलां तथा सहरावक से मेधावी स्कूली बच्चों को विशेष रूप आमंत्रित किया गया है ताकि वे उच्च शिक्षण संस्थानों में शैक्षणिक प्रक्रियाओं से परिचित हो सकें।

आभार व्यक्त

- मैं उच्च शिक्षा मंत्रालय, विभिन्न प्रायोजित एजेंसियों, सहयोगी उद्योगों, सामाजिक संस्थानों और पूर्व छात्रों से मिले भरपूर सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त करता हूं।
- मैं व्यक्तिगत रूप से विश्वविद्यालय संसद, कार्यकारी परिषद् एवं शिक्षा परिषद् के सम्मानित सदस्यगणों और अपने सहयोगियों से प्राप्त सहयोग और प्रोत्साहन के लिए हृदय से उनका आभार व्यक्त करता हूं और साथ ही अपने विद्यार्थियों के अनुकणीय व्यवहार और परिसर जीवन को समृद्ध बनाने में उनके योगदान की सराहना करता हूं।

विद्यार्थियों को शुभकामना एवं संदेश

- अंत में, मैं विश्वविद्यालय के पंचम दीक्षांत समारोह के अवसर पर डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों, शोधार्थियों तथा पदक एवं पुरस्कार विजेताओं को उनकी विशेष उपलब्धियों के लिए अपनी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।
- मुझे पूर्ण विश्वास है कि विश्वविद्यालय ने आपको जीवन में सीखने और कैरियर की चुनौतियों के लिए सक्षम बनाया है। आप जो भी बनना चाहते हैं, उसमें हम आपकी सफलता की कामना करते हैं।
- मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप एक ऐसे बेहतर कल के लिए काम करेंगे, जहां विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का उपयोग सतत पर्यावरण तथा सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में किया जायेगा।
- मैं पुनः समारोह की मुख्य अतिथि श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, भारत की माननीय राष्ट्रपति, श्री बंडारू दत्तात्रेय जी, माननीय राज्यपाल, हरियाणा, सम्मानित सदस्यगणों को समारोह में सम्मिलित होने के लिए धन्यवाद ज्ञापित करता हूं।
- उपाधि, पदक एवं पुरस्कार पाने वाले सभी विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएं। विश्वविद्यालय परिवार आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

धन्यवाद,

जय हिन्द।